नई किरन
भाग 3

नई किरन
(तीसरा भाग)
पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग
राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन
लखनऊ- 226005

नई किरन

(तीसरा भाग)

रचना मण्डल

डॉ. एन.के. सिंह

श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'

डॉ. श्यामला कान्त वर्मा

डॉ. हीरालाल बाछोतिया

डॉ. जयपाल सिंह, 'तरंग'

डॉ. टी.आर.सिंह

श्री श्याम लाल

डॉ. धर्म सिंह

श्री वीरेन्द्र मुलासी

श्री लायक राम 'मानव'

श्री विश्वनाथ सिंह

चित्रांकन (केन्द्र आधारित प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम हेतु)

श्री डी.वी.दीक्षित

श्रीमती अलका दीक्षित

कु. पूनम शाही

कु. मीरा गुप्ता

श्री के.जी.सिंह

चित्रांकन (कार्यात्मक साक्षरता के जन-कार्यक्रम हेतु)

दि सेन्ट्रल प्रेस प्रा.लि. (डिजाइन विभाग द्वारा)

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन

लखनऊ- 226005

मुद्रक

शंकर प्रकाशन कानपुर के लिये

दि सेन्ट्रल प्रेस (प्रा.) लि., कानपुर द्वारा मुद्रित

भूमिका

कार्यात्मक साक्षरता के जन कार्यक्रम के अन्तर्गत नई किरन 3 भागों में प्रकाशित की जा रही है। इस प्रवेशिका को चित्रांकन की दृष्टि से नवीन रूप दिया गया है। जिससे कि इसकी अलग पहचान की जा सके। यह प्रवेशिका स्वयं सेवक छात्र शिक्षकों द्वारा प्रौढ़ शिक्षार्थियों को 'एक पढ़ाए पाँच' योजना के अन्तर्गत प्रयोग में लाई जाएगी। आशा की जाती है कि एक स्वयं सेवक छात्र शिक्षक 3 से 5 प्रौढ़ शिक्षार्थियों को पढ़ाने का कार्यक्रम अपनाएगा। छात्र स्वयं सेवक पहले नई किरन का प्रथम भाग प्रौढ़ शिक्षार्थियों को देगा और उसे समाप्त करने के उपरान्त दूसरा तथा तीसरा भाग शिक्षण हेतु प्रयोग में लायेगा। इस प्रकार साक्षरता और अंक ज्ञान का शनै : शनै : ज्ञान प्रौढ़ शिक्षार्थियों को प्राप्त होता रहेगा।

ये प्रवेशिकायें एकीकृत हैं। इनके द्वारा प्रौढ़ों को साक्षर बनाना है और उन्हें अंक ज्ञान भी प्रदान करना है। इन प्रवेशिकाओं में 4-5 पाठों के उपरान्त शिक्षार्थी की प्रगति की जाँच की व्यवस्था भी की गई है और अन्त में समग्र मूल्यांकन का प्रावधान भी किया गया है। नई किरन के प्रत्येक भाग के समाप्त होने पर प्रौढ़ शिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिया जाना है जो प्रत्येक प्रवेशिका के अन्त में संलग्न किया गया है।

तीनों प्रवेशिकायें साक्षरता किट का ही अंग हैं जो नि:शुल्क वितरण हेतु हैं।

इन प्रवेशिकाओं का प्रयोग केन्द्र आधारित कार्यक्रम के लिए नहीं किया जाना है।

किट में स्वयं सेवक छात्र शिक्षक/शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन हेतु एक फोल्डर भी रखा हुआ है जिसमें अन्य उपयोगी बातों के अतिरिक्त इन प्रवेशिकाओं के उपयोग की भी चर्चा की गई है।

आशा है ये प्रवेशिकायें राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्य को पूरा करेंगी और आपके माध्यम से पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करना सम्भव हो सकेगा।

शिवदत्त त्रिवेदी

निदेशक

राज्य संदर्भ केन्द्र

नई किरन

(तीसरा भाग)

पाठ इकाई विवरणिका

क्रमांक	पाठ का नाम	गणित	विषय क्षेत्र
1.	कोई तो चेते	इकाई, दहाई, सैकड़ा	परिवार-नियोजन/कल्याण
2.	ऊर्जा	रुपये–पैसे	वैकल्पिक ऊर्जा
3.	संत शेखसादी	रुपये–पैसे, जोड़ना/घटाना	चरित्र निर्माण
	जाँच - पत्र 7 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)		
4.	मंजिल है दूर मगर पाके रहेंगे (कविता)	तौल की जानकारी	राष्ट्रीय एकता/मूल्य
5.	ये पेड	लम्बाई की माप	सामाजिक वानिकी
6.	बर्तनों के बच्चे	समय की इकाइयाँ	व्यावहारिक शिक्षा
	जाँच - पत्र 8 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)		
7.	रहें न लोग निरक्षर	घड़ी देखना	साक्षरता संकल्प
8.	हमारा देश	प्रतिशत	राष्ट्रीय मूल्य/देश-प्रेम
9.	पत्र-लेखन	अनुपात	व्यावहारिक साक्षरता
10.	कार्यात्मक साक्षरता	गणित का अभ्यास	शिक्षा का महत्व
	जाँच - पत्र 9 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)		

पाठ : 1

कोई तो चेते

दुर्दशा   मूर्खता   पक्षपात
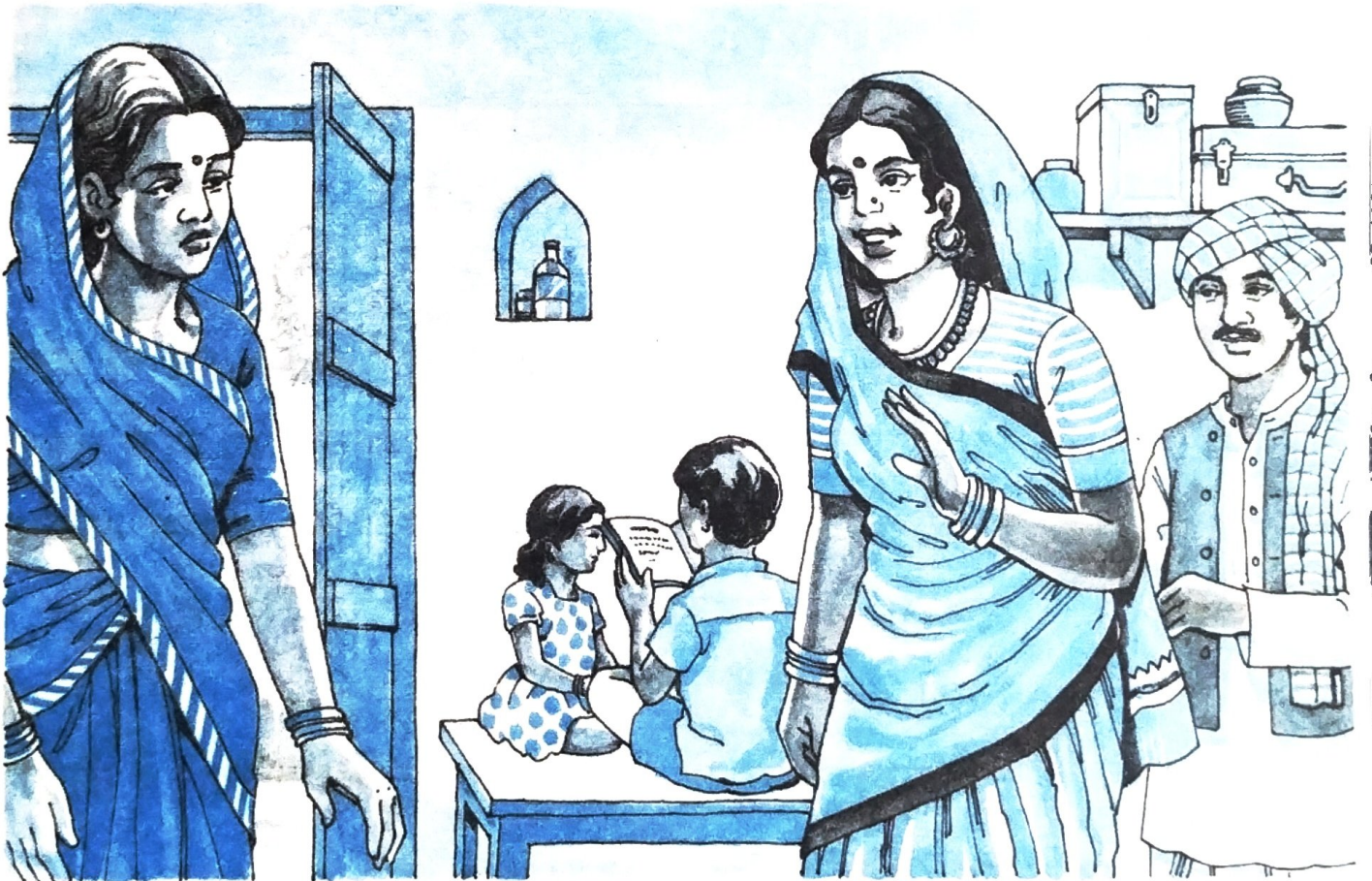
(माहन और मीरा बैठे हैं। दो बच्चे पढ़ रहे हैं। साफ-सुथरा घर। सुशीला का प्रवेश)

मोहन : आओ सुशीला आओ, कुछ परेशान जान पड़ती हो।

सुशीला : परेशानी के अलावा है ही क्या मेरी जिन्दगी में।

मीरा : ऐसा क्यों कहती हो दीदी? घर-बार, खेती-बारी, बाल-बच्चे,सब कुछ तो दिए हैं भगवान ने। कमी किस बात की है?

सुशीला : दो दिन मेरे घर में रह लो तो सब समझ में आ जाएगा।

मोहन : अरे समझा ! बच्चे दिन भर परेशान करते होंगे भाभी को। बड़े नटखट हैं। यही बात है न भाभी।

सुशीला : तुम तो जानते हो मोहन , बड़े लाड़-प्यार से पली थी मैं। घर में बस एक छोटा भाई था। सब तरफ से चैन थी। यहाँ तो आधी टीम है। खाना-पीना, उठना-बैठना सब हराम किए रहती है।
किए रहती है।

मीरा : तो कुछ दिन के लिए मायके चली जाओ दीदी। कुछ राहत मिल जाएगी।

सुशीला : यह तो तभी हो सकता है, जब कोई बच्चों को देखने वाला हो। अकेले रहेंगे तो एक-दूसरे का सिर फोड़ेंगे। अब याद आती है–तुम्हारी बात। पर अब.....।

मीरा : बात तो डाक्टरनी दीदी ने ठीक ही कही थी। मैंने मान ली। तुमने नहीं मानी। कितनी नेक थी उनकी सलाह।

सुशीला : हाँ,अभी तक याद है मुझे। उन्होंने कहा था–बच्चे आँगन की शोभा हैं, पर जब वे दो या तीन हों। ज्यादा होंगे तो आँगन की दुर्दशा हो जाएगी।

मोहन : गोपाल दादा को भी समझाया था डाक्टर ने– बच्चों को तुम भगवान की देन समझते हो। यह तुम्हारी भूल है। असलियत तो यह है कि वे तुम्हारी इच्छा के प्रसाद हैं। चाहे जितने ले लो। (गोपाल का प्रवेश) लो तुम्हें खोजते दादा भी आ गए।

गोपाल : हाँ मोहन भाई, मैंने आप लोगों की बातें सुनलीं। मान लेते हैं कि हमने मूर्खता की। आपका घर-बार देखता हूँ तो मन खुश हो जाता है।

मोहन : यह घर मेरा ही नहीं आपका भी तो है। चाहें तो मेरी तरह आप भी जिन्दगी का रुख बदल सकते हैं।

सुशीला : सो कैसे?

मीरा : डाक्टरनी दीदी की सलाह से।

सुशीला : परन्तु ये राजी हों, तब न।

मोहन : पति और पत्नी दोनों राजी हों तो परेशानी ही क्यों हो। पति चेते या पत्नी।

सुशीला : तुम ही फैसला कर दो देवरजी। तुम्हारी बात हम दोनो मानेंगे। पर पक्षपात न करना।

मोहन : तो फिर दादा ही चेतें। यही तरीका सरल और सुविधाजनक है।

सुशीला : ठीक है, ठीक है। कल ही घेर कर ले जाओ इन्हें।

मोहन : भाभी ! बात घेरने की नहीं, बचने की है। जितना घिरे हैं, उतना ही क्या कम है। आगे ही सावधान हो जाएँ।

गोपाल : पर यह ठीक.....।

मोहन : आप चिन्ता न करें। दो बड़े बच्चों को मैं अपने

साथ शहर लेता जाऊँगा। वहीं पढ़ाऊँगा। तीन बच्चों को तो भाभी ठीक से देख-सुन ही लेंगी।

सुशीला : क्या सचमुच...?

मोहन : हाँ भाभी सच। पर गोपाल भइया...।

गोपाल : मैं कल ही चलूँगा तुम्हारे साथ, तुम्हारी भाभी ने मेरी बात नहीं मानी, मैं ही उनकी बात मान लेता हूँ। मेरी ही हार सही।

मोहन : हार, जीत की बात नहीं है दादा। एक नए जीवन की पहल करके आप ने बाजी जीत ली। यह तो ऐसी जीत है, जो आपकी जिन्दगी में नई रोशनी ला देगी। घर खुशियों से भर देगी। (भाभी से) अब तो प्रसन्न हैं न भाभी जी। कल ही मैं दादा को ले जाऊँगा डाक्टर के पास।

(सब हँसते हैं।)

अभ्यास- 1

बोध प्रश्न :

1. परिवार में अधिक बच्चे होने से क्या हानि है?
2. कम बच्चे होने से क्या लाभ है?
3. सुशीला और गोपाल क्यों परेशान थे ? उन्होंने अपनी परेशानी का क्या समाधान खोजा ?

भाषा-अभ्यास :

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ क्रम से नहीं लिखे हैं। इन्हें क्रम से लिखिए :

रोशनी	= आराम	----------	----------
जिन्दगी	= राय	----------	----------
प्रसन्न	= खुश	----------	----------
मूर्खता	= बुरी हालत	----------	----------
सलाह	= जीवन	----------	----------
दुर्दशा	= बेवकूफी	----------	----------
राहत	= प्रकाश	----------	----------

इकाई – दहाई – सैकड़ा

समझिए :

एक अंक वाली संख्या को इकाई कहते हैं।

इकाई = (जैसे – 1 2 3 4 5 6 7 8 9)

दो अंकों वाली संख्या में दाहिनी ओर वाला अंक इकाई तथा बाईं ओर वाला अंक दहाई का होता है। जैसे – 12 में 2 इकाई है और 1 दहाई है। इसी प्रकार दाहिने से बाईं ओर का मान बढ़ता जाता है। तीन अंकों वाली संख्या में दहाई के बाईं ओर वाला अंक सैकड़ा होता है।

जैसे – 312 में 3 सैकड़ा, 1 दहाई, 2 इकाई।

3 सैकड़ा = 300, 1 दहाई = 10, 2 इकाई = 2

सब मिलाकर = 312 (तीन सौ बारह)

1. नीचे लिखी संख्याओं में सैकड़ा, दहाई और इकाई अलग करके लिखिए :

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
532	----------	----------	----------
225	----------	----------	----------
475	----------	----------	----------

2. जोड़िए :

```
  3 2 4        2 4 5        5 4 3
+ 1 3 5      + 6 1 0        2 3 8
-------      -------      -------

-------      -------      -------
```

पाठ : 2

ऊर्जा

स्रोत	प्रकृति	सौर-ऊर्जा	उपयोग
परिश्रम	संयंत्र	शीघ्रता	इस्तेमाल
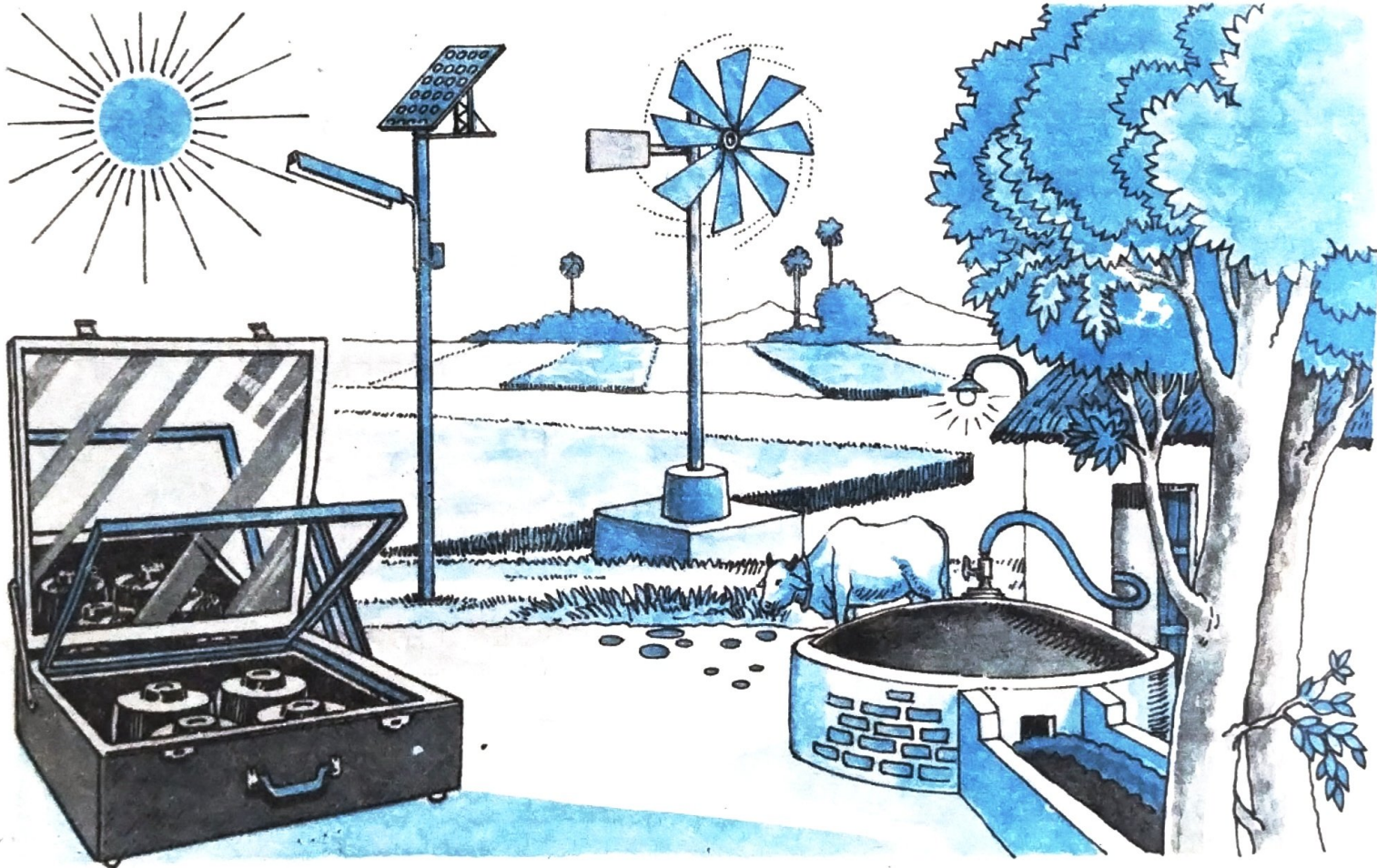
विक्रमपुर की पाठशाला में गयाप्रसाद जी आए। उन्होंने नई-नई बातें बताईं। फिर वे बोले–मैं आज ऊर्जा के सम्बन्ध में चर्चा करना चाहता हूँ।

अर्जुन को टोक-टाक करने की बहुत आदत है। कहने लगा–पहले यह तो बता दीजिए कि ऊर्जा क्या है? तब तो उसके संबंध में हमारे पल्ले कुछ पड़ेगा।

गयाप्रसाद जी ने कहा–अर्जुन, एक शब्द में तो ऊर्जा समझाई नहीं जा सकती। वह दिखाई भी नहीं देती। हम बोझा उठाते हैं, लकड़ी जलाकर खाना पकाते हैं, बैल खेत जोतते या गाड़ी खींचते हैं, कोयले का इंजन ट्रेन चलाता है। हमारे अंदर, बैलों के अंदर, कोयले में, लकड़ी में, पेट्रोल या डीजल में ऊर्जा है, जिसके कारण ये काम होते हैं। बिजली में भी ऊर्जा है। इसी से कारखानों की बड़ी-बड़ी मशीनें चलती हैं, रोशनी होती है।

जहाँ से हमें यह ऊर्जा मिलती है, उन्हें हम ऊर्जा के स्रोत कहते हैं। ये स्रोत हमारे बनाए हुए नहीं हैं, कोयला, पेट्रोल, डीजल, प्रकृति में पहले से मौजूद हैं। लेकिन इतने नहीं कि इनका मनमाना उपयोग करते रहें। जिस रफ्तार से इनका उपयोग हो रहा है, यदि उसमें कमी नहीं की गई तो कुछ चीजें तो पचास-साठ वर्ष में ही समाप्त हो जाएँगी। हाँ, जल ऐसा स्रोत अवश्य है, जो समाप्त नहीं होता, लेकिन वह सब जगह तो है नहीं।

इसलिए अब लोगों का ध्यान ऊर्जा के ऐसे स्रोतों की ओर गया है, जो कभी समाप्त नहीं होंगे। इनमें एक तो है,सूर्य की ऊर्जा। इसका प्रयोग हम खाना पकाने के लिए, 'सौर चूल्हा' या 'सोलर कुकर' में करते हैं। अनाज सुखाने, पानी

गरम करने, बिजली बनाने तथा पानी का पंप चलाने में भी सौर-ऊर्जा काम आती है। कुछ स्थानों में इस ऊर्जा को बैट्री में भरकर बसें भी चलाई जाती हैं।

बायो गैस या गोबर गैस ऊर्जा का एक और साधन है, जिसका उपयोग काफी होने लगा है। दो-चार जानवर रखने वाला किसान बिना किसी विशेष लागत और परिश्रम के गोबर गैस संयंत्र लगा सकता है। सार्वजनिक रूप से भी गोबर गैस संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। इससे मिलने वाली गैस से घरों में रोशनी होती है, सफाई और शीघ्रता से खाना पकता है तथा बहुत अच्छी खाद भी मिल जाती है। इस ऊर्जा का इस्तेमाल छोटी-छोटी मशीनें चलाने में भी होता है।

अब जगह-जगह हवा की ऊर्जा का भी प्रयोग होने लगा है। हवा के जोर से जब चक्की के पंख घूमते हैं तो उससे पानी निकालने का पंप चलने लगता है।

इतना सब बताने के बाद अंत में गयाप्रसाद जी बोले-गोबर गैस संयंत्र तो आप लोग आसानी से लगा सकते हैं। ब्लाक के दफ्तर में जाइए, वहाँ से पूरी जानकारी मिल जाएगी। इसके लिए सरकार से सहायता भी मिलती है।

अभ्यास- 2

बोध प्रश्न :

1. हमें ऊर्जा किन-किन चीजों से मिलती है?
2. हम किस ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहे हैं?
3. गोबर गैस संयंत्र लगवाने के लिए क्या करेंगे?

भाषा-अभ्यास :

निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए : जैसे–

रात — दिन

रोशनी — ---------

अन्दर — -----------

गरम — -----------

समझिए :

रुपये – पैसे

1 रुपये में 100 पैसे होते हैं।

बीस रुपये पच्चीस पैसे को इस तरह लिखते हैं :

रु. 20.25 या

रुपये	—	पैसे
20	—	25

लिखिए :

पच्चीस रुपए पचास पैसे = रु. ----------------------------

या ----------------------------

साठ रुपए पचहत्तर पैसे = रु. ----------------------------

या ----------------------------

पैंतीस रुपए तीस पैसे = रु. ----------------------------

या ----------------------------

एक रुपए पाँच पैसे को इस तरह लिखते हैं :

रु. 1.05

अब लिखिए :

पाँच रुपए आठ पैसे = रु. ----------------------------

तेरह रुपए तीस पैसे = रु. ----------------------------

पाठ : 3

संत शेख सादी

वृद्ध   जन्म   निर्धनता   ईश्वर

सूफियों में एक बहुत बड़े संत हुए हैं। उनका नाम था–शेख सादी। एक दिन वह घोड़ी पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। दोपहर का समय था। रास्ते में उन्हें दो बूढ़े आदमी मिले। वे नंगे पैर पैदल चले जा रहे थे। शेख सादी घोड़ी से उतर पड़े। उन्होंने एक वृद्ध को घोड़ी पर बिठा दिया। दूसरे वृद्ध को अपनी चप्पलें दे दीं। खुद नंगे पाँव चलने लगे।

मानवता के ऐसे पुजारी शेख सादी का जन्म फारस में हुआ थां। उनके माता-पिता बहुत ही गरीब थे। इसलिए शेख सादी का बचपन बड़ी निर्धनता में बीता।

शेख सादी बचपन से ही ईश्वर की खोज में लगे थे। उन्होंने ईश्वर के प्रेम में अपना घर-बार सब कुछ छोड़ दिया।

शेख सादी जब तक जीवित रहे, दूसरों की भलाई के लिए जूझते रहे। उन्होंने अपने लिए कभी कुछ नहीं किया। वे फारसी में कविताएं भी लिखते थे। मानव जाति के कल्याण के लिए वे जीवन भर समर्पित रहे।

शेखसादी लोगों की सेवा करते-करते दुनिया से चले

गए। वे आज हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन उनकी वाणी हमें आज भी मनुष्यता की राह पर चलने को प्रेरित करती है।

वे कहते थे—"सब्र कड़ुआ होता है, पर उसका फल बड़ा मीठा होता है। मेहनत से मत भागो। दुखों से भयभीत न हो। अंधेरे में ही रोशनी छिपी होती है। छोटे से छोटे जीव चींटी को भी पैरों से मत कुचलो। बुद्धिमान मनुष्य अपने हर एक काम से लोगों को अच्छी बुद्धि के अतिरिक्त कुछ नहीं देता। अगर ज्ञान पाना चाहते हो, तो अच्छी-अच्छी किताबें पढ़ो।"

व्यवहार जगत में संत शेखसादी ने मनुष्यों को सावधान भी किया है। कहा—"जो मनुष्य तुम्हारे सामने औरों की बुराई करता है, वही औरों के सामने तुम्हारी बुराई अवश्य करेगा। ऐसे मनुष्यों से सावधान रहो।"

हमें संत शेख सादी की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

अभ्यास- 3

बोध प्रश्न :

1. संत शेखसादी का जीवन कैसा था?
2. उन्होंने किस भाषा में कविताएँ लिखी थीं?
3. उनके उपदेशों से क्या शिक्षा मिलती है?

भाषा-अभ्यास :

1. नीचे लिखे वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए :

जैसे- क्रोध करने वाला = क्रोधी

दया करने वाला = ------------------

पूजा करने वाला = ------------------

हिंसा करने वाला = ------------------

प्रेरणा देने वाला = ------------------

यात्रा करने वाला = ------------------

1. जोड़िए :

रुपये	–	पैसे
15	–	25
+ 18	–	40

रुपये	–	पैसे
28	–	15
+ 27	–	65

रुपये	–	पैसे
66	–	70
+ 89	–	75

रुपये	–	पैसे
89	–	80
+ 18	–	65

2. घटाइए :

रुपये	–	पैसे
35	–	65
– 22	–	25

रुपये	–	पैसे
66	–	70
– 24	–	25

जाँच-पत्र : 7 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए और लिखिए :

बायो गैस या गोबर गैस ऊर्जा का एक और साधन है, जिसका उपयोग काफी होने लगा है। दो-चार जानवर रखने वाला किसान बिना किसी विशेष लागत और परिश्रम के गोबर गैस संयंत्र लगा सकता है।

....

....

....

....

2. नीचे लिखे शब्दों के वाक्य बनाइये–

जैसे – सार्वजनिक = अस्पताल सार्वजनिक स्थान है।

रोशनी = ---

पक्षपात = ---

नटखट = ---

निर्धनता = ---

बुद्धिमान = ---

3. हल कीजिए :

रुपये	–	पैसे
75	–	25
+ 24	–	75

रुपये	–	पैसे
90	–	00
– 88	–	10

पाठ 4

मंजिल है दूर मगर पाके रहेंगे

बढ़ चले आगे हम बढ़ते रहेंगे।
मंजिल है दूर मगर पाके रहेंगे।।
धर्म अलग, जाति अलग,
अलग अलग लोग।
किन्तु सभी देते हैं,
सबको सहयोग।
गंगा की धारा बन साथ बहेंगे।
मंजिल है दूर मगर पाके रहेंगे।।

माना हैं भिन्न-भिन्न,
फूलों के रंग।
किन्तु सभी उपवन की,
शोभा के अंग।
इसी भांति रंग अपने एक रहेंगे।
मंजिल है दूर मगर पाके रहेंगे।।
जन्मभूमि जननी की,
रखना है शान।
अर्पित कर देंगे हम,
तन, मन, धन, प्रान।
सुख-दुख जो आयेगा, साथ सहेंगे।
मंजिल है दूर मगर पाके रहेंगे।।

– डॉ. धरम सिंह

अभ्यास– 4

बोध प्रश्न :

1. हम कब तक आगे बढ़ते रहेंगे ?
2. हम किस प्रकार भिन्न होकर भी एक हैं ?
3. हमें किसकी शान बनाए रखनी है ?

भाषा-अभ्यांस :

नीचे दिए गए शब्दों से छाँटकर सही जोड़े बनाइए :-

जैसे – ठंडा × गरम

अलग, सुख, जनम, खरा, मरण, जाति, दुख
पाँति, खोटा, ऊँच, गरीब, ठंडा, नीच, अमीर, गरम

....
....
....

तौल की जानकारी :

तौल की इकाई ग्राम है।

1000 ग्राम को 1 किलोग्राम कहते हैं।

100 किलोग्राम को 1 क्विंटल कहते हैं।

10 क्विंटल का 1 टन होता है।

जोड़िए :

	कि.ग्रा.	ग्राम
	34	250
+	21	315

घटाइए :

	कि.ग्रा.	ग्राम
	65	635
–	32	312

पाठ 5

ये पेड़

अक्सर प्रदूषण पर्यावरण वातावरण

(दरवाजे पर चाची, श्याम, सोहन आदि बैठे हैं। आपस में बातचीत कर रहे हैं।)

श्याम: (चाची से) क्या कहा चाची, यह पेड़ तुम्हारा पोता है ?

चाची: हाँ... यह छोटा पेड़ मेरा पोता है और ये चारों पेड़ जो देख रहे हो, मेरे बेटे हैं।

सोहन : बेटे, सो कैसे ?

चाची : पंडित जी निराले थे। जब कोई बच्चा होता, वह अपने हाथ से एक पेड़ लगाते। मुझसे कहते– यह पेड़ नहीं, तुम्हारा बेटा है। चारों बच्चों के होने पर उन्होंने चार पेड़ लगाए। बच्चों की तरह ही इन्हें पाला-पोसा, इनकी देख-रेख की।

श्याम : तब तो चाचा जी को पेड़ बहुत प्रिय थे।

चाची : ठीक पुत्र के समान। अक्सर बातचीत में बतलाते– जो संसार में कोई नहीं दे सकता, वह पेड़ देते हैं। साफ हवा, फल-फूल, पानी सब कुछ तो इन पेड़ों से मिलता है। जहाँ पेड़ होते हैं, वहीं परमात्मा होता है।

सोहन : यही आप भी सोचती हैं चाची ?

चाची : सोचती ही नहीं, इस पर विश्वास भी करती हूँ। इसीलिए जब घर में पोता हुआ तो मैंने यह पेड़ लगाया। पोते की तरह यह भी प्यारा है मुझे।

श्याम : परन्तु कितने लोग हैं, जो ऐसा सोचते हैं ?

चाची : इससे क्या। मैंने तो अपनी बात कही। पंडित जी का तो विश्वास था कि एक बार बेटे तुम्हारा साथ छोड़ सकते हैं, परन्तु ये पेड़ यहीं रहेंगे, तुम्हारे पास। तुम्हारी सेवा करेंगे।

सोहन : हाँ चाची, यह तो आप ठीक कह रही हैं।

चाची : देखो न, मेरे बेटे तो जाकर शहर में बस गए। घर में होली-दिवाली पर ही आ पाते हैं। अगर ये मेरे चारों बेटे न होते, तो कितनी अकेली रह जाती मैं।

श्याम : चाचा जी की सूझ तो निराली थी।

चाची : हाँ बेटा..... कहा जाता है– जो पेड़ों को काटता है, परमात्मा उस पर नाराज होता है।

सोहन : वैसे सारे लोग तो ऐसा नहीं मानते।

चाची : तुम्हारे सामने ही तो, पिछले दिनों वन विभाग के लोग आए थे। जगह-जगह पेड़ लगाने की सलाह दे रहे थे। कहते थे– ये पेड़ वायु का प्रदूषण रोकते हैं।

शुद्ध हवा देते हैं। आदमी का जीवन स्वस्थ और सुखी बनाते हैं।

श्याम : शहर में पर्यावरण-प्रदूषण की तो रोज चर्चा होती है।

चाची : वह सब तुम जानो। मैं तो कहती हूँ कि जहाँ भी जगह मिले पेड़ लगाओ। उनकी रक्षा करो। उनसे भाई-चारा जोड़ो। ये तो तुम्हारे बिना रह भी लेंगे। परन्तु तुम इनके बिना नहीं रह सकते।

सोहन: तुमने तो आँखे खोल दी चाची ! अब सोचता हूँ, जो जमीन खाली पड़ी है, उसमें बीस पेड़ लगा दूँ। मौसम भी ठीक है।

चाची: ठीक कहते हो बेटा। बड़े होकर ये पेड़ रक्षा करेंगे-हमारी तुम्हारी और सबकी।

(सभी लोगों का प्रस्थान)

अभ्यास– 5

बोध प्रश्न :

1. चाची पेड़ों को क्या मानती थीं ?
2. पेड़ों से क्या-क्या लाभ हैं ?
3. चाची की बात का क्या असर हुआ ?

भाषा-अभ्यास :

1. नीचे लिखे वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए –

जैसे–	सूर्य	=	भानु	रवि
	पेड़	=	....	....
	नदी	=	....	....
	मकान	=	....	....

2. 'पेड़ हमारे जीवन साथी' विषय पर पाँच वाक्य लिखिए –

....

....

....

....

....

लम्बाई की माप :

लम्बाई की माप मीटर में होती है।
1000 मीटर का 1 किलोमीटर होता है।
1 मीटर में 100 सेंटीमीटर होते हैं।

अब बताइए :

1. कमीज का कपड़ा 8 रु. मीटर है। 5 मीटर कपड़े का दाम कितना होगा ?
2. खादी का कपड़ा 7 रु. मीटर है। 3 मीटर कपड़ा कितने में मिलेगा ?
3. कलम सिंह के घर से डाकघर की दूरी 320 मीटर है। वहाँ से बाजार की दूरी 875 मीटर है। उसे बाजार तक जाने में कितना चलना पड़ेगा ?

द्रव पदार्थों की नाप :

द्रव पदार्थों की नाप लीटर में होती है।

बताइए :

1. यदि दूध का दाम 8 रु लीटर हो तो 5 लीटर दूध कितने में मिलेगा ?
2. एक बाल्टी में 6 लीटर पानी आता है। बताइए 30 लीटर वाले एक ड्रम को भरने के लिए कितनी बाल्टी पानी डालना पड़ेगा ?

पाठ 6

बर्तनों के बच्चे

व्यापार आवश्यकता दरअसल
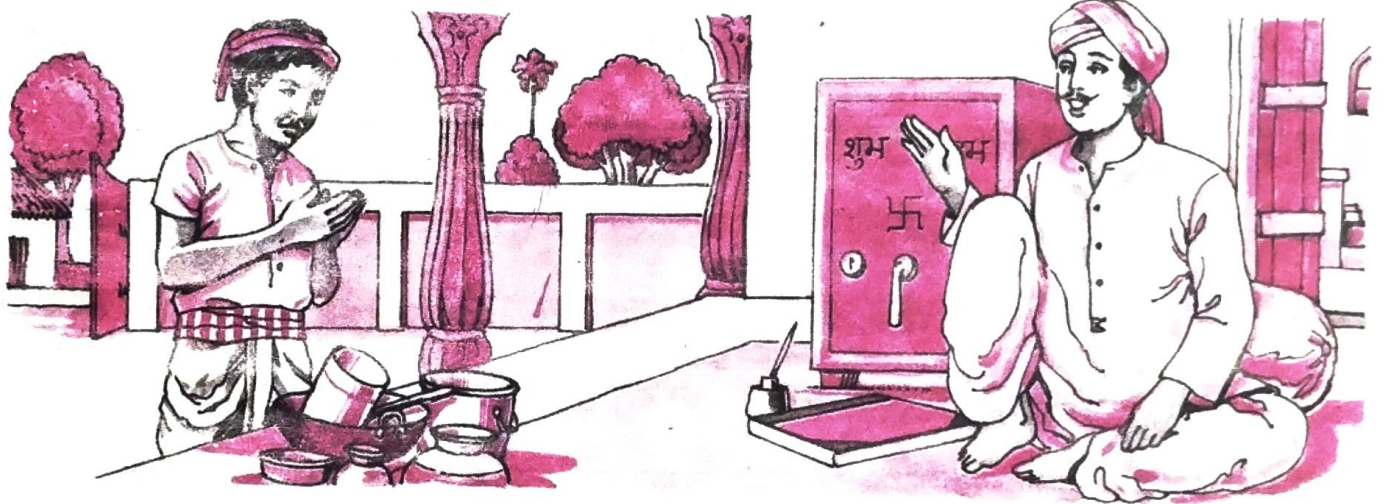
बहुत समय पहले की बात है। किसी गाँव में चन्दर नाम का एक गरीब आदमी रहता था। चन्दर के दो लड़कियाँ थीं। वे जब सयानी हुईं तो चन्दर को उनकी शादी की चिन्ता हुई। चन्दर ने अपनी बड़ी लड़की की शादी एक भले घर में तय कर दी।

शादी में बर्तन, कपड़ों आदि की आवश्यकता थी। चन्दर, साहूकार के यहाँ गया। साहूकार ज्यादा मुनाफा लेकर सामान किराए पर देता था। आदत के अनुसार पहले तो साहूकार नें आनाकानी की, फिर चन्दर को बर्तन दे दिए।

लड़की की शादी के बाद चन्दर, साहूकार के बर्तन लौटाने गया। उन बर्तनों के साथ चन्दर के भी कुछ बर्तन चले

गए। जब चन्दर साहूकार के पास अपने बर्तन वापस माँगने गया, तो साहूकार ने चन्दर को आड़े हाथों लिया, कहा– ''मूर्ख, वे बर्तन तो मेरे बर्तनों के बच्चे हैं।'' बेचारा चन्दर अपना सा मुँह लेकर चला आया।

कुछ समय बाद चन्दर की दूसरी लड़की की शादी तय हुई। फिर चन्दर उसी साहूकार के पास गया।

साहूकार, चन्दर को बहुत मूर्ख समझता था। उसने तुरन्त ही चन्दर को बर्तन दे दिए। कई महीने गुजर गए। चन्दर बर्तन लौटाने नहीं गया। साहूकार घबराया। वह चन्दर के घर अपने बर्तन वापस लेने खुद जा पहुँचा।

साहूकार को देखते ही चन्दर रोने लगा। बोला–''सेठ जी, मैं आपके पास कैसे आता ? दरअसल, आपके बर्तन तो मर गए।'' साहूकार गुस्से से तमतमा उठा। बोला–'' दुष्ट, मेरे साथ धोखा करता है। बर्तन कहीं मरते हैं ? मैं अभी काजी के पास जा रहा हूँ।'' वह काजी के पास चला गया।

काजी ने चन्दर को बुलवाया। दोनों की पूरी बात सुनी। फिर काजी ने मुस्कराते हुए अपना फैसला सुनाया–''अगर बर्तनों के बच्चे हो सकते हैं, तो बर्तन भी मर सकते हैं।''

साहूकार अपना माथा पीट कर रह गया।

अभ्यास – 6

बोध प्रश्न :

1. साहूकार ने चन्दर के बर्तन लौटाने में क्या बहाने बाजी की ?
2. चन्दर ने साहूकार से किस प्रकार बदला लिया ?
3. इस पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ?

भाषा-अभ्यास :

1. नीचे लिखे मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

आड़े हाथों लेना ....

तमतमा उठना ....

आनाकानी करना ....

2. नीचे लिखे शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द बनाइए :

लड़का .... ठाकुर .... सेठ ....

भला .... देवता .... राजा ....

समय – घंटा-मिनट-सेकेन्ड

एक दिन = 24 घंटा
एक घंटा = 60 मिनट
एक मिनट = 60 सेकेन्ड

अब बताइए :

1. बस की चाल 20 किलोमीटर प्रतिघंटा है। 100 किलोमीटर जाने में कितने घंटे लगेंगे ?
2. मोहन सिंह ने 7 बजकर 30 मिनट पर अपने खेत जोतना शुरू किया और 12 बजकर 45 मिनट पर समाप्त किया। बताओ उसे खेतों की जुताई में कितना समय लगा ?
3. एक आदमी पैदल 4 किलोमीटर की चाल से जा रहा है। वह 2 घंटा 30 मिनट में कितनी दूर जाएगा ?

गुणा कीजिए :

$$32 \times 4 \qquad 63 \times 3 \qquad 54 \times 2 \qquad 37 \times 2$$

भाग कीजिए :

4) 16 (7) 35 (6) 42 (

जाँच-पत्र : 8 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़िए और लिखिए :

जो संसार में कोई नहीं दे सकता, वह पेड़ देते हैं। साफ हवा, फल-फूल, पानी सब कुछ तो इन पेड़ों से मिलता है।

....

....

....

2. सही शब्द चुनकर खाली जगहों में भरिए :

पेड़ .... का प्रदूषण रोकते हैं। (आयु/वायु)

चन्दर ने .... पर बर्तन लिए। (किराए/ऋण)

साहूकार माथा .... कर रह गया। (घसीट/पीट)

3. खाली जगहें भरिए:

1 घण्टे में .... मिनट होते हैं।

1 मीटर में .... सेन्टीमीटर होते हैं।

हल कीजिए :

$$\begin{array}{r} 5\ 0 \\ \times\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 2\ 5 \\ \times\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad 6)\ 36\ ($$

पाठ 7

रहें न लोग निरक्षर

अक्षर-अक्षर यही कह रहा, रहें न लोग निरक्षर।

भाषा धर्म लिबास अलग हो,

पर मन में विश्वास सजग हो।

राष्ट्र एकता के हित कर दें, अपने प्राण निछावर।

इतना साफ हमारा घर हो,

बीमारी का जहाँ न डर हो।

मन बहलाएँ नाच-नाचकर, गाते रहें निरन्तर।

ऐपण से शोभित आँगन हो,

उबटन लगा चमकता तन हो।

काया रहे निरोगी हरदम, मेहनत को अपनाकर।

खेत-खेत में हरियाली हो,
गाँव-गाँव में खुशहाली हो।
हर नर-नारी कर्मशील हों, रहें स्वयं पर निर्भर।
रहें न लोग निरक्षर

– डॉ. जयपाल सिंह 'तरंग'

अभ्यास– 7

बोध प्रश्न :

1. अक्षर हमें क्या बनाते हैं ?
2. किस प्रकार के घर में बीमारी का डर नहीं रहता ?
3. हमें किसके लिए अपने प्राण निछावर करना चाहिए ?

भाषा-अभ्यास :

1. नीचे लिखे वाक्यों में शब्द चुनकर भरिए :

(क) हमें ··· पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। (प्राण / ऋृण)

(ख) किसी को भी ················ नहीं होना चाहिए। (साक्षर / निरक्षर)

2. 'रहें न लोग निरक्षर' कविता की तीन पंक्तियाँ लिखें :

....

....

....

घड़ी देखना -

(1) (2) (3)

देखिए चित्र 1, इस घड़ी में ठीक 10 बजे हैं। छोटी सुई 10 पर और बड़ी ठीक 12 पर है।

अब देखिए चित्र 2, बड़ी सुई 1, 2, 3 आदि पर होती हुई एक पूरा चक्कर लगाकर फिर 12 पर आ गई है। इतनी ही देर में छोटी सुई 10 से आगे बढ़कर 11 पर पहुँच गई है। एक घन्टे का समय बीत गया और अब ठीक 11 बजे हैं।

चित्र 3 में 12 बजे हैं। छोटी सुई 1 घन्टे में 11 से चलकर 12 पर पहुँच गई और बड़ी सुई एक और चक्कर लगाकर 12 पर आ गई है। अब ठीक 12 बजे हैं और दोनों सुइयाँ 12 पर हैं।

इन घड़ियों में कितने बजे हैं :-

(1) ------------ (2) ----------- (3) -----------

पाठ 3

हमारा देश

निर्माण	राष्ट्रपति	संस्कृति	प्राचीन
वीरांगना	ऐतिहासिक	द्वीप	वेशभूषा

हमारे दश का नाम भारत ह। इसके उत्तर में हिमालय पर्वत है और बीच में विंध्याचल। हिमालय संसार का सबसे ऊंचा पर्वत है। इसकी अनेक चोटियाँ बारहों महीने बर्फ से ढँकी रहती हैं।

हिमालय पर्वत से बहुत सी नदियाँ निकली हैं। पश्चिम की ओर से सिंधु, झेलम, चिनाव, रावी, व्यास और सतलज नदियाँ निकलकर भारत से पाकिस्तान की ओर जाती हैं। बीच में हिमालय से गंगा, यमुना, घाघरा और गंडक जैसी बड़ी-बड़ी नदियाँ निकली हैं। पूर्व में ब्रह्मपुत्र एवं उसकी सहायक नदियों ने हिमालय से निकलकर देश के विशाल मैदान का निर्माण किया।

विशाल मैदान के पश्चिम में थार का रेगिस्तान और दक्षिण में दक्षिण का पठार है। दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर, पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। दक्षिण में हिंद महासागर लहराता है। दक्षिण की प्रमुख नदियाँ हैं– नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी। उत्तर और दक्षिण भारत की इन सभी नदियों ने भारत की भूमि को बहुत ही उपजाऊ और हरा-भरा बनाया है। इनमें से कई नदियों पर बड़े–बड़े बांध बनाये गये हैं। इन बांधों से बिजली तैयार की जाती है। सिंचाई के लिए नहरें भी निकाली गई हैं।

भारत एक विशाल देश है। यह उत्तर में कश्मीर से दक्षिण में कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। पश्चिम में कच्छ से लेकर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक और दक्षिण-पूर्व में बंगाल की खाड़ी से अंडमान निकोबार द्वीप समूह तक इसका विस्तार है। उत्तर से दक्षिण तक इसकी लम्बाई 3,200

कि.मी. तथा पश्चिम से पूर्व तक 2,900 कि.मी. है। इसके पड़ोसी देश हैं–पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में नेपाल और चीन। दक्षिण में श्रीलंका है। पूर्व में हमारे पड़ोसी बांग्लादेश और बर्मा हैं।

भारत की राजधानी दिल्ली है। यहीं से पूरे देश का शासन चलता है। यहीं राष्ट्रपति भवन है, और संसद भवन भी। शासन की सुविधा के लिए यह देश कई राज्यों में बंटा हुआ है, जैसे– कश्मीर, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिल-नाडु, केरल, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि।

आबादी में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है। लखनऊ इसकी राजधानी है। बदरी-केदार, अयोध्या, मथुरा, प्रयाग, सारनाथ, कुशीनगर और काशी जैसे तीर्थ इसी राज्य में हैं। गंगा-यमुना ने इस राज्य को खूब उपजाऊ बनाया है।

भारत की संस्कृति बहुत ही पुरानी है। कई हजार वर्ष पूर्व लिखा ऋग्वेद संसार का सबसे प्राचीन ग्रंथ है। यहीं वाल्मीकि ने रामायण और व्यास ने महाभारत की रचना की। रामायण और महाभारत संसार के प्रसिद्ध महाकाव्यों में से हैं। इसी देश में राम हुए, कृष्ण हुए। बुद्ध, महावीर और महात्मा गाँधी जैसे महापुरुष पैदा हुए। यहीं पर गार्गी, मैत्रेयी, सीता, सावित्री जैसी आदर्श नारियाँ हुई हैं। यहीं अशोक और अकबर जैसे महान् सम्राट हुए। यहीं रजिया और झांसी की रानी जैसी वीरांगनाएं हुईं। इस देश में पुरुष और महिलाओं, दोनों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ख्याति प्राप्त की। इन सबके जीवन से आज भी हमें शिक्षा मिलती है।

हमारे देश में कालिदास, कबीर, सूर, तुलसी, मीरा और रसखान जैसे कवि हुए हैं। संगीत के लिए तानसेन का नाम पूरे देश में मशहूर है। अजंता, एलोरा, ताजमहल, उत्तर व दक्षिण के मंदिरों जैसे ऐतिहासिक स्थलों को देखने के लिए सारे संसार से लोग आते हैं।

हमारे देश में अनेक धर्म हैं। अनेक भाषाएं और अनेक वेश-भूषाएं हैं। रीति-रिवाज भी अनेक हैं। किन्तु हम सभी भारतीय हैं। हम सब एक हैं। हमें भारतीय होने का गर्व है।

अभ्यास– 8

बोध प्रश्न :

1. हमारे देश का क्या नाम है ?
2. हिमालय से कौन–कौन सी नदियाँ निकलती हैं ?
3. हमारे पड़ोसी देश कौन–कौन हैं ?
4. भारत की राजधानी का नाम क्या है ?
5. संसार के सबसे प्राचीन ग्रंथ का नाम क्या है ?

भाषा– अभ्यास :

1. नीचे के शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए :

जैसे : – राजा – रानी

पुराना ························ नर ·····························

वीर ··························· कवि ··························

2. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से खाली जगहों को भरें :

तानसेन विशाल हिमालय दिल्ली लखनऊ

(क) भारत की राजधाना ·························· ·······है।

(ख) भारत एक·······································देश है।

(ग) ························संसार का सबसे ऊँचा पर्वत है।

(घ) संगीत के लिए········का नाम पूरे देश में मशहूर है।

प्रतिशत :

प्रतिशत का मतलब है– प्रति सैकड़ा, अर्थात् एक सौ। 5 प्रतिशत का मतलब हुआ– सौ में पाँच। प्रतिशत (%) इस प्रकार लिखा जाता है। इसे एक उदाहरण से समझिए।

ब्याज 5 प्रतिशत या 5 %

इसका अर्थ है– 100 रुपए कर्ज पर 5 रुपए ब्याज।

जैसे – पारबती ने सहकारी बैंक से 5 % सालाना ब्याज की दर से 500 रु. उधार लिया। साल के अंत में कर्ज चुकाया। पारबती को 500 रु. मूलधन और 25 रु. ब्याज, कुल 525 रु.देने पड़े।

अब बताइए :

1. रधुली ने 6 % सालाना ब्याज की दर से 300 रु. उधार लिए। साल के अंत में उसे कुल कितने रु. वापस देने पड़े ?
2. रामी ने भेड़ पालने के लिए 2000 रु. बैंक से उधार लिए। यदि ब्याज की दर 4 % सालाना हो, तो साल के अंत में उसे कुल कितने रु.वापस देने पड़े ?
3. गंगा सिंह ने दुकान खोलने के लिए 3000 रु. बैंक से उधार लिए। यदि ब्याज की दर 5 % हो तो साल के अंत में उसे कुल कितना ब्याज देना पड़ेगा ?

पत्र लेखन

पत्र का महत्व हम सबको मालूम है। दूर रहने वाले अपने सम्बन्धियों को पत्र लिखकर हम अपना समाचार सूचित करते हैं। उनका पत्र प्राप्त कर हम उनका हाल जानते हैं। इस प्रकार पत्र के द्वारा हम अपनी बात औरों तक पहुँचाते हैं।

पत्र मुख्यत: तीन प्रकार के होते हैं–

1. घरेलू या पारिवारिक पत्र।
2. सरकारी पत्र या आवेदन पत्र।
3. व्यापारिक पत्र।

घरेलू पत्र अपने सगे-सम्बन्धियों तथा आत्मीय जनों को लिखे जाते हैं। इनमें पत्र–लेखक व्यक्तिगत बातों को लिखता है। इसके द्वारा ही वह अपना कुशल क्षेम सूचित करता है और दूसरो का कुशल क्षेम जानता है। ऐसे पत्रों में अपने से बड़ों, बराबर वा और छोटों के लिए अलग-अलग प्रकार के संबोधन, अभिवा[illegible] तथा स्वनिर्देश के शब्द लिखे जाते हैं।

(क) सम्बोधन :

1. बड़ों के लिए .... पूज्य/श्रद्धेय/आदरणीय आदि
2. बराबर वालों के लिए .... प्रिय/प्रियवर आदि।
3. छोटों के लिए .... प्रिय/चिरंजीव/ आदि।

(ख) अभिवादन

1. बड़ों के लिए	....	सादर प्रणाम/सादर चरण–स्पर्श आदि।
2. बराबर वालों के लिए	....	नमस्ते/नमस्कार आदि।
3. छोटों के लिए	....	प्रसन्न रहो, सस्नेह आशीर्वाद/शुभाशीष आदि।

(ग) स्वनिर्देश– (पत्र के अंत में इनका उपयोग होता है)

1. माता–पिता और बड़ों के लिए	....	आपका प्रिय (पुत्र या अन्य जो सम्बन्ध हो जैसे– भाई, पौत्र आदि)।
2. मित्रों/समान वय वालों और अपने से छोटों को	....	तुम्हारा पिता/तुम्हारा मित्र/तुम्हारा बड़ा भाई/तुम्हारा चाचा आदि।

सरकारी पत्रों या आवेदन पत्रों में सम्बोधन के रूप में 'महोदय'महोदया' तथा स्वनिर्देश के रूप में 'भवदीय'प्रार्थी' का प्रयोग किया जाता है।

कुछ नमूने

(1) पिता को पत्र

ग्राम व पत्रालय – लखना
जि. इटावा

पूज्य पिता जी,
सादर चरण-स्पर्श

मैं सकुशल हूँ। आशा है, आप भी कुशलपूर्वक होंगे। इस वर्ष समय से वर्षा हो जाने के कारण खेती के अच्छे आसार हैं। आपके निर्देशानुसार मैंने मुन्नी का नाम विद्यालय में लिखवा दिया है। वह रोज पढ़ने जाती है। माता जी तथा अन्य सभी लोग अच्छी तरह हैं। आपका पत्र न आने से हम सभी चिन्तित हैं। अपना कुशल-समाचार शीघ्र सूचित करने की कृपा करें।

आपका प्रिय पुत्र
बाबू लाल
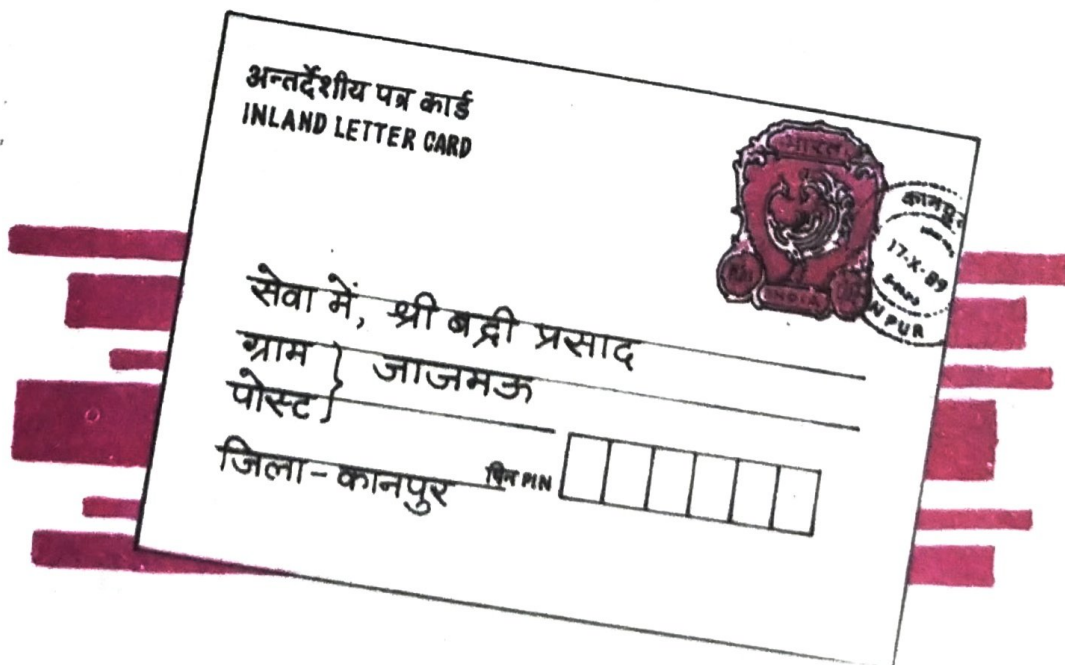
(2) मित्र को पत्र

ग्राम व पत्रालय – बीघापुर
जि. उन्नाव

प्रिय केशवानन्द

नमस्कार।

मैं सकुशल हूँ। आशा है, तुम भी सानन्द होगे। आजकल काम अधिक आ पड़ा है। इसीलिए पत्र लिखने में विलम्ब हुआ। तुम्हारा पत्र भी नहीं आया। तुम लोगों का कुशल समाचार न मिलने के कारण चिन्तित हूँ। कभी-कभी पत्र डाल दिया करो।

मैं दीपावली को छुट्टी में घर आऊँगा। उस समय तुमसे भेंट होगी। कभी उन्नाव आने का कार्यक्रम बना सको तो अवश्य आओ। कुछ दिन यहाँ की सैर कर लो।

अपनी माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र
सुरेश

(3) छोटी बहन को पत्र-

ग्राम – अजमत पुर
पो. – अजमतपुर
जि.– फतेहपुर।

प्रिय मुन्नी

सस्नेह शुभाशीर्वाद

हम लोग सकुशल हैं। तुम लोगों की कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। आशा है, तुम लोग सानन्द होगे। पिता जी के पत्र से मालूम हुआ कि तुमने छमाही परीक्षा में अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है,बड़ी प्रसन्नता हुई। पढ़ाई में ऐसे ही ध्यान लगाओगी तो सालाना परीक्षा में भी प्रथम ही रहोगी।

आशा है माता जी अब पूरी तरह स्वस्थ होंगी। होली के अवसर पर हम सब लोग घर पर आएंगे। माता जी और पिता जी को हम सब का प्रणाम और छोटू को स्नेहाशीर्वाद । पत्र का उत्तर जल्दी भेजना।

तुम्हारा भैया
धर्मप्रकाश
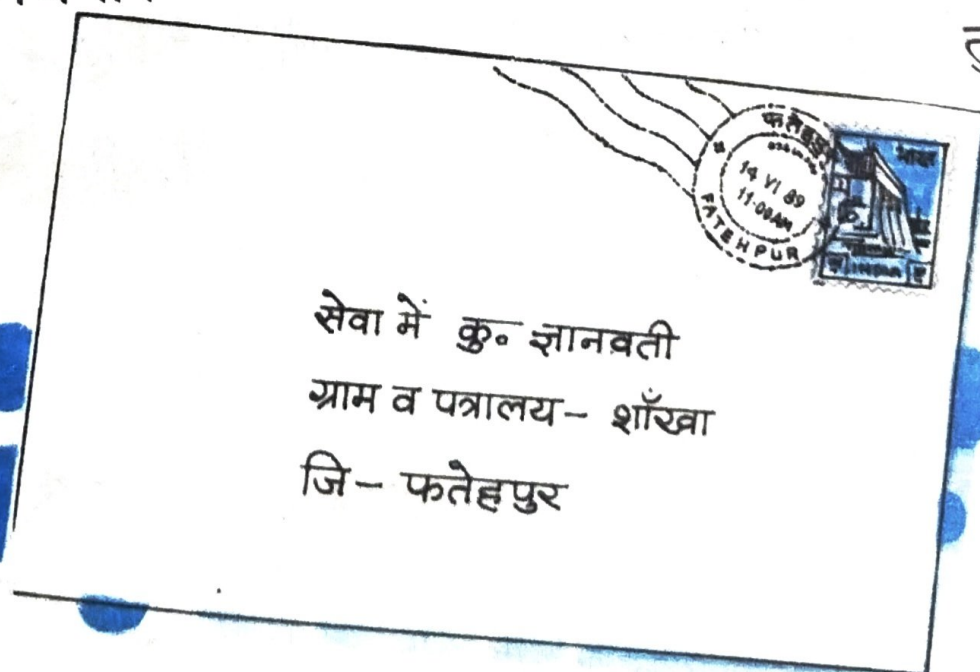
(4) अधिकारी को प्रार्थना पत्र (आवेदन पत्र)

सेवा में,

विकास खण्ड अधिकारी

सरसौल

कानपुर

विषय – भैंस खरीदने के लिए ऋृण की आवश्यकता

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं एक भैंस खरीदना चाहता हूँ। इसके लिए सरकारी ऋृण दिलाने की कृपा करें।

प्रार्थी

शंकर सिंह

ग्राम– हाथीपुर

पो.– महाराजपुर

जि.– कानपुर (उ.प्र.)

4.1.90

अनुपात :

अनुपात का मतलब है– हिस्सा या भाग। जैसे– एक दुकानदार के पास 24 बोरियों में 8 बोरी दाल है, बाकी चावल है। 24 में यदि 8 बोरी दाल निकाल दें, तो $24 - 8 = 16$ बोरी चावल बच जाता है। इस बात को हम यों भी कह सकते हैं कि दाल से चावल की बोरियाँ $16 \div 8 = 2$ गुनी हैं। अर्थात् चावल और दाल की बोरियों में 2 : 1 का अनुपात है।

अत : दो संख्याओं का अनुपात, भाग द्वारा उनकी तुलना है। इससे ज्ञात होता है कि एक संख्या दूसरी संख्या की कितनी गुनी है या उसका कौन सा भाग है।

अब बताइए :

1. रधुली के पास 16 भेड़ें और 8 बकरियाँ हैं। बताइए भेड़ और बकरियों में क्या अनुपात है ?
2. एक दुकान पर 20 किलो ग्राम सेब और 5 किलो ग्राम नाशपाती हैं। सेब और नाशपाती में क्या अनुपात है ?

गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 33 \\ \times\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 62 \\ \times\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 71 \\ \times\ 5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 84 \\ \times\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ : 10

कार्यात्मक साक्षरता

फार्म भरिए :

अभ्यास : 1

भारतीय मनीआर्डर/INDIAN MONEY ORDER

सेवा में पोस्टमास्टर
TO THE POSTMASTER

________________ उप डाकघर/SUB P. O.

________________ प्रधान डाकघर/HEAD P. O.

________________ जिला/DISTT.

रु. अदा करें
Pay Rupees ________________

सेवा में/To

रु. ....
Rs. ....

पिन/PIN

दिनांक/Date

भेजने वाले के हस्ताक्षर/Sender's Signature

प्रेषक डाकघर की नाम मोहर

डाकघर मनीआर्डर/P. O. Money Order
पावती/Acknowledgment

Name Stamp of the Office of issue

(भेजने वाले का नाम व पूरा पता/Sender's Name and full address)

पिन
PIN

संदेश के लिए स्थान/Space for Communication रु. पै./P.

अभ्यास : 2 (क) डाकघर में रुपया जमा करने के लिए:

ब. बै./S. B. -103 जमा पर्ची/Pay in slip *ब. बैं./सा. ज./*S. B./T. D.

डाकघर बचत बैंक/Post Office Savings Bank

खाते का डाकघर/P. O. of account .... तारीख/Date.....................................19

*बचत/1/2/3/5 वर्षीय सा. ज. खाता सं./Paid into *Savings/1/2/3/5 Year T. D. Account No. ....

(नाम/of Name...में

रु. Rupees (शब्दों में/in words)..

नकद/by Cash, चैक सं./Cheque No. .... तारीख/Dated....................................

को on ....बैंक/Bank द्वारा अदा किए।

.... रु. जमा के पश्चात् शेष (बचत बैंक लिपिक द्वारा भरा जाए)

Balance after deposit Rs. ....(To be filled by the S. B. Clerk)
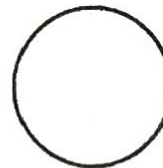
बचत बैंक लिपिक/S. B. Clerk तारीख-मोहर/Date-stamp द्वारा/by..............................

* जो लागू न हो उसे काट दें Strike out whichever is not applicable. सुरक्षित रखने की अवधि 6 वर्ष/Period of preservation 6 years.

अभ्यास : 2 (ख) बैंक में रुपया जमा करने के लिए:

इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

क्रम सं. S. No.	स्क्रा. सं. SCROLL NO.	आद्य. INITIALS	खा. प. सं. L. F. NO.	दर्ज किया POSTED

शाखा/BRANCH....................

.............................19....

जमा कीजिए चालू खाता संख्या/CREDIT Current Account Number

नाम/OF..

....

रु. शब्दों में.

RS. IN WORDS ....

....

नकद/चेक Cash/Cheque	रु. Rs.	पै. P.
पीछे बताये विवरण के अनुसार DETAILS AS PER REVERS		

खजांची/CASHIER

पारण प्राधिकारी/PASSING AUTHORITY

जमा करनेवाला
DEPOSITED BY ....

नकदी/चेक (उसी शाखा, अन्य स्थानीय शाखाएं, प्रत्येक राष्ट्रीय समाशोधन केन्द्र-बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, नई दिल्ली/ अन्य बाहरी चेक) हेतु अलग-अलग पर्चियाँ भरें I USE SEPARATE SLIPS FOR DEPOSITING CASH/CHEQUES-SAME BRANCH/OTHER LOCAL BRANCHES/EACH NATIONAL CLEARING CENTRE-BOMBAY, CALCUTTA, MADRAS, NEW DELHI/OTHER OUTSTATION CHEQUES.

अभ्यास : 3 (क) डाकघर से रुपया निकालने के लिए:

एस. बी.—7
S. B.- 7

रुपया निकालने का प्रार्थना-पत्र

APPLICATION FOR WITHDRAWAL

इस फार्म के साथ पास-बुक अवश्य होनी चाहिए

PASS BOOK MUST ACCOMPANY THIS FORM

डाकघर में स्थित ....

डाकघर बचत बैंक खाता सं. ....दिनांक................19..................................

POST OFFICE SAVINGS BANK ACCOUNT .... P.C.

ACCOUNT NO. ....DATE.. 19 ....

कृपया मुझे/नीचे दिये गये हस्ताक्षर वाले संदेशवाहक को (शब्दों में)..

.... रु. का भुगतान करें और इस रकम को मेरे/हमारे उपर्युक्त बचत बैंक खाते में डाल दें।

Pay self messenger whose signature is given below the sum of Rupees (in words)..

.... and debit the amount to my/our S.B. account mentioned above.

इस निकासी के बाद इंस खाते में बकाया रकम (शब्दों में)..

.... रु. हो जायेगी।

The balance in the account after this withdrawal will be Rupees (in words) ....

सन्देशवाहक का नाम/Name of messenger...

....

सन्देशवाहक के हस्ताक्षर / Signature of messenger | सत्यापित/Attested | जमाकर्त्ता के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान Signature, thumb-impression of depositor

....

जमाकर्त्ता के हस्ताक्षर Signature of depositor... दिनांक/Dated..

फार्म को सुरक्षित रखने की अवधि 10 वर्ष अंतिम निकासियों के लिए और 6 वर्ष अन्य निकासियों के लिए

Preservation period of the form-10 years for final withdrawals and 6 years for other withdrawals

(क. पृ. उ.) P.T.O.

अभ्यास : 3 (ख) बैंक से रुपया निकालने के लिए:

इस पर्ची के साथ पास बुक का होना जरूरी है/PASS BOOK MUST ACCOMPANY THIS ORDER FORM

इलाहाबाद बैंक

ALLAHABAD BANK

क्रम स. S. No.	स्क्रा. सं. SCROLL NO.	आद्य. INITIALS	खा. प. सं. L. F. NO.	दर्ज किया POSTED

शाखा/BRANCH.................... ....19....

52

कृपया मुझे रुपये

PLEASE PAY SELF RUPEES ....

RS. IN WORDS ....

मेरे/हमारे खाते में नाम डालकर भुगतान करें।

AND DEBIT MY/OUR ACCOUNT..

रु.
RS. ....

बचत खाता संख्या

SAVINGS BANK A/C NO. ....

जमाकर्ता/DEPOSITOR (S)

बताइए :

1. देव सिंह के पास 312 भेड़ें थीं। 255 भेड़ें और खरीद लाया। अब उसके पास कितनी भेड़ें हो गयीं ?
2. हरुली ने 526 रु. का ऊन और 240 रु. का शहद बेचा। उसे कुल कितने रुपए मिले ?
3. गंगा सिंह के पास 235 पेड़ आड़ू के हैं और 152 पेड़ नाशपाती के। उसके पास कुल कितने पेड़ हैं ?
4. भीम सिंह के पास 675 रु. थे। उसने 252 रु. का आलू का बीज खरीदा। अब उसके पास कितने रु. बचे ?
5. महेषी के खेतों में 265 किलो कोदों और 328 किलो धान पैदा हुआ। बताइए कोदों से धान कितना अधिक पैदा हुआ ?
6. यदि एक भेड़ के दाम 212 रु. हों, तो 4 भेड़ें कितने में मिलेंगी ?
7. गोपाल सिंह ने 82 कि.ग्रा. आलू बेचे। यदि आलू का भाव 3 रु. किलो हो, तो उसे कितने रु. मिले ?
8. यदि एक भेड़ से 220 ग्राम ऊन निकलता हो, तो 4 भेड़ों से कितना ऊन प्राप्त होगा ?
9. रैंस की दाल 6 रु. किलो है। यदि कस्तूरी के पास 72 रु. हों तो वह कितने किलो दाल खरीद सकती है ?

जाँच-पत्र : 9 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

(पूर्णांक – 100)

25

1. पढ़िए :

भारत एक विशाल देश है। यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। पश्चिम में कच्छ से लेकर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक और दक्षिण पूर्व में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह तक इसका विस्तार है। उत्तर से दक्षिण तक इसकी लम्बाई 3,200 कि.मी. तथा पश्चिम से पूर्व तक 2,900 कि.मी. है। इसके पड़ोसी देश हैं– पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में नेपाल और चीन। दक्षिण में श्रीलंका। पूर्व में हमारे पड़ोसी– बाँग्ला देश और बर्मा हैं।

पठन समय :
पठन गति (शब्द प्रति मिनट) :

नीचे दिए गए सवालों के जवाब उनके सामने लिखिए–

1. भारत दक्षिण में कहाँ तक फैला हुआ है ?

   ....

2. उत्तर से दक्षिण तक भारत की लम्बाई कितने कि.मी. है ?

   ....

3. भारत के पश्चिम में कौन सा पड़ोसी देश है ?

   ....

4. भारत के उत्तर में कौन सा देश है ?

   ....

2. इमला लिखिए : (25 शब्दों का इमला बोलें) **5**

....

....

....

....

....

3. पाँच सब्जियों के नाम लिखें : **5**

1. .... 2. .... 3. ....

4. .... 5. ....

1. अपने किसी मित्र या संबंधी को एक पत्र लिखें। पत्र पर तिथि, पूरा नाम व पता होना चाहिए – **15**

अपना पता – ....
....
....

तिथि – ....

....

....

....

....

....

....

लिफाफे पर पाने वाले का नाम व पता लिखें –

....

....

....

5. जोडिए : 5

$$\begin{array}{r} 65 \\ +34 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 76 \\ +82 \\ \hline \end{array}$$

6. घटाइए : 5

$$\begin{array}{r} 78 \\ -35 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 83 \\ -68 \\ \hline \end{array}$$

7. गुणा करिए : 5

$$\begin{array}{r} 34 \\ \times 3 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 93 \\ \times 8 \\ \hline \end{array}$$

8. भाग दीजिए : 5

8) 88 (9) 54 (

9. (क) एक लीटर दूध का दाम 5 रुपये है, तो 10 लीटर दूध का दाम बताइए ?

2½

(ख) रामदास ने भेड़ पालने के लिए 2000 रुपये बैंक से उधार लिए। यदि ब्याज की दर 4% सालाना हो तो साल के अंत में उसे कुल कितने रुपये वापस देने पड़ेंगे ? **2½**

10. व्यावहारिक जानकारी :

नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर उनके सामने लिखिए :

1. हमारे देश का नाम क्या है ? ....
2. भारत की राजधानी कहाँ है ? ....
3. हमारे राष्ट्रीय झंडे में सबसे ऊपर कौन सा रंग है ? ....
4. उत्तर प्रदेश की राजधानी कहाँ है ? ....
5. शादी के समय लड़की की उम्र कम से कम कितनी होनी चाहिए ? ....
6. टी.बी. से बचने के लिए कौन सा टीका लगाया जाता है ? ....
7. पोलियो से बचने के लिए बच्चे को कौन सी दवा पिलाई जाती है ? ....
8. सड़क पर किस तरफ चलना चाहिए ? ....
9. एक साल में कितने महीने होते हैं ? ....
10. आपके ब्लाक या वार्ड का क्या नाम है ? ....

प्रतिभागी का नाम ....

पता ....

प्रवेश तिथि ....

परीक्षा तिथि ....

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ....

राष्ट्रगान

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता।
पंजाब सिंधु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विन्ध्य हिमांचल यमुना गंगा
उच्छल जलधितरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जयगाथा।
जनगण मंगलदायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।

यहां से काटें
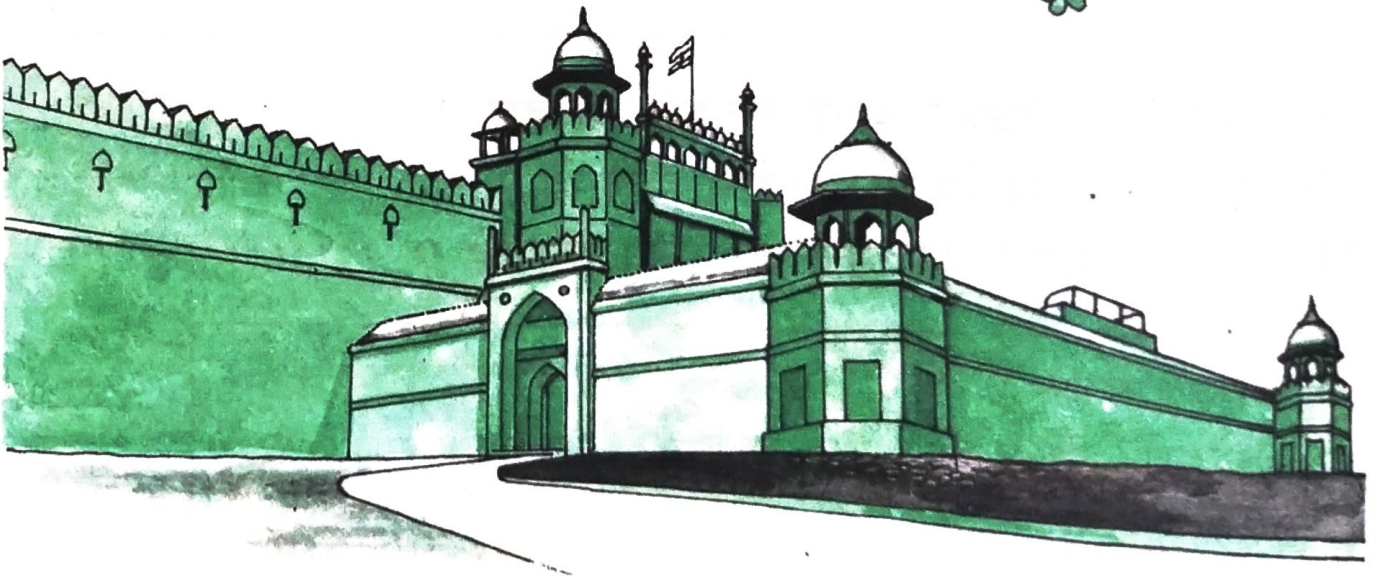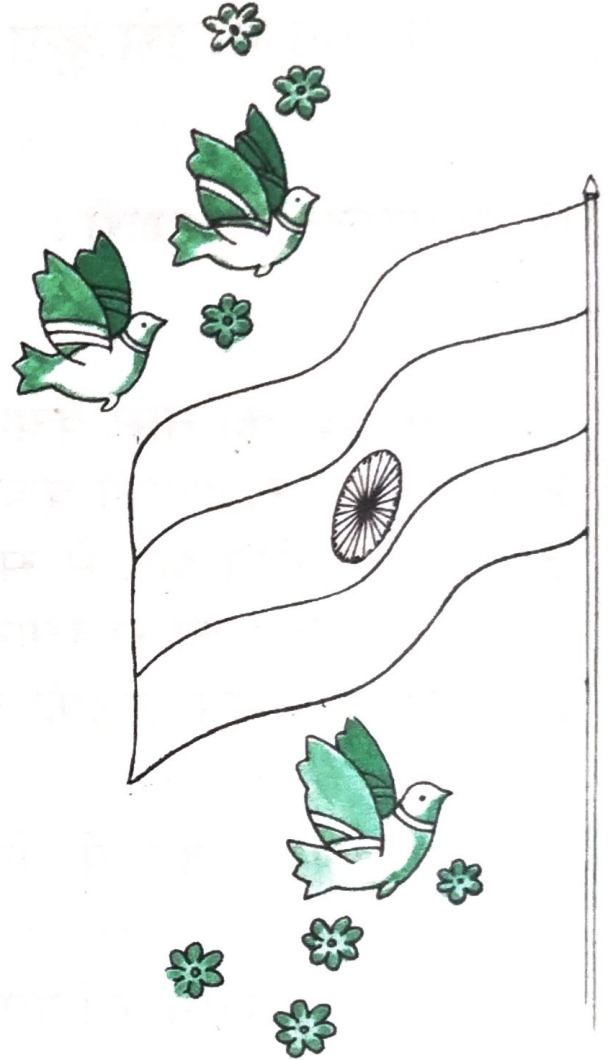
राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ....

परियोजना : ....

जिला : .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री श्री .... ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में नई किरन (भाग III) को पूरा कर लिया है।

स्वयं सेवक छात्र/अन्य कार्यकर्त्ता

कार्यक्रम समन्वयक/अधिकारी/
अन्य विशिष्ट व्यक्ति

तारीख ....